Central Statistical Organisation through residual method for the household saving in the form of physical assets.

11. The component of loans and advances of the private corporate (non financial) sector to its employees needs to be included on the liability side in the estimation of household saving.

12. In the case of deep discount bonds and zero coupon bonds, interest needs to be spread out.

13. All new financial instruments such as warrants which are traded apart from the underlying securities to which they are linked should be taken into account in the estimation of saving as and when complete relevant data become available.

**निर्माणधीन विकास परियोजनाएं**

1386. **श्री राम जेठमलानी** : क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में अनेकों विकास परियोजनाएं निर्माणधीन है ,

(ख) यदि हां, तो दिसंबर, 1996 में कुल कितनी परियोजनाए निर्माणधीन थी जिनमें 100 करोड़ रूपये अथवा इससे अधिक की लागत अन्तर्गत है,

(ग) क्या यह सच है कि उपर्युक्त में से बहुत सी परियोजनाओं का निर्माण कार्य अपने निर्धारित समय से पिछड रहा है,

(घ) यदि हां, तो सड़क विसतार, निर्माण संबंधी और विद्युत उत्पादन, कच्चे तेल के उत्पादन, कोयला उत्पादन और सिंचाई क्षमता सृजन संबंधी परियोजनाएं कितनी है जो अपनी निर्धारित समय-सारणी से पीछे चल रही है, और

(ड) इनके निर्माण में विलंब के कारण उपर्युक्त में से प्रत्येक परियोजना की निर्माण लागत में कितनी वृद्धि हो गई है,

**योजना और कार्यक्रम कार्यावन्यन मत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र कुमार भगतराम अलध)** : (क) और (ख) जी हां । कार्यक्रम कार्यावन्यन विभाग के पास दिनांक 31.12.1996 तक उपलब्ध सूचनानुसार 199 परियोजनाएं (100 करोड़ रूपये और उससे अधिक की लागत वाली) निर्माणधीन थीं जिनमें लगभग 1,40,613 करोड़ रू0 का निवेश किया जा चुका था ।

(ग) से (ड) दिनांक 31.12.1996 को 100 करोड़ रूपये और उससे अधिक लागत वाली 118 परियोजनाएं शुरू की जाने की अपनी अनुमोदित समयावधि से पीछे चल रही थी। इन परियोजनओं में 11 सड़क क्षेत्र की, 15 विद्युत उत्पादन क्षेत्र की, शून्य कच्चा तेल क्षेत्र की और 5 कोयला उत्पादन क्षेत्र की थी । सिंचाई परियोजनाओं के लिए प्रबोधान व्यवस्था कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग में स्थापित की जा रही है। सड़क, विद्युत उत्पादन और कोयला उत्पादन की जा रही है। सड़क, विद्युत उत्पादन और कोयला उत्पादन क्षेत्रों को उपर्युक्त 31 परियोजनाओं में से प्रत्येक में हुई लागत वृद्धि विवरण में दी गई है।

**विवरण**

**विलंब से चल रही बड़ी परियोजनाओं की लागत वृद्धि का प्रतिशत, अद्यतन अनुमोदित समयावधि के संदर्भ में (31.12.96 की स्थिति)**

| क्रम सं. | परियोजना | क्षमता | लागत (करोड रूपये में) | | प्रतिशत लागत वृद्धि |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | अनुमोदित | अप्रत्याशित | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
| क्षेत्र कोयला (ई.सी.एल.) | | | | | |
| 1. | सतग्राप (यू जी) | 1.20 (एमटीवाई) | 148.26 | 208.58 | 40.7 |

| (1) (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|---|---|---|---|---|
| 2.कोट्टडीह(ओसी/यूजी) | 2.48 (एमटीवाई) | 267.52 | 493.67 | 84.5 |
| 3. जामबाद (ओसी) | 1.70 0.80 (एमटीवाई) | 136.80 | 136.88 | 0.1 |
| एन सी एल | | | | |
| 4. दुधिचुआ ओसी) फेज – I | 10.0 (एमटीवाई) | 868.93 | 1149.04 | 32.2 |
| 5. खाडिया (ओसी) | 4.00 (एमटीवाई) | 588.75 | 751.37 | 27.6 |
| क्षेत्रः विद्युत डीवीसी | | | | |
| 6. मेजिया टी पी पी | मेगावाट 6.30 | 566.00 | 1989.14 | 251.4 |
| 7. दोयांग एच ई पी | मेगावाट 75 | 166.65 | 384.75 | 130.8 |
| 8. कावध्लगुरी (जीबी सौसी पी पी) | मेगावाट 291 | 695.77 | 1347.57 | 50.4 |
| 9. रगानाडी (एचईपी) | मेगावाट 405 | 675.74 | 774.12 | 14.6 |
| 10. कोपिली (एचईपीअई) | मेगावाट 100 | 101.97 | 130.95 | 28.4 |
| एन एच पी सी | | | | |
| 11. दुलहस्ती (एचईपी) | मेगावाट 390 | 1262.97 | 3559.77 | 181.9 |
| 12. कोईल कारो (एचईपी) | मेगावाट 710 | 1292.82 | 3143.69 | 143.9 |
| 13. उरई (एचईपी) | मेगावाट 480 | 1632.62 | 3070.67 | 88.1 |
| 14. रांगित एचईपी- III) | मेगावाट 320 | 181.15 | 371.63 | 105.2 |
| 15. धोलीगंगा (एचईपी – I) | मेगावाट 470 | 601.93 | 1881.49 | 212.6 |
| एनजेपीसी | | | | |
| 16. नाधमाक्षकरी (एचईपी) | मेगावाट 1500 | 4337.95 | 7151.86 | 64.9 |
| एनटीपीसी | | | | |
| 17. कहलगांव (एसटीपीपी एसटी-I) | मेगावाट 940 | 1715.89 | 2037.51 | 18.7 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|---|---|---|---|---|---|
| 18.क्षेत्र कोयला (ई.सी.एल.) | | मेगावाट 1000 | 1404.04 | 2592.18 | 84.6 |
| 19. विन्ध्याचल (एसटीपी- II) विकसित) | | मेगावाट 2500 | 2753.38 | 2763.90 | 0.4 |
| 20. उपाहार (टीपीपी एसटी – II) | | मेगावाट 2210 | 1279.51 | 1330.52 | 3.9 |
| क्षेत्र-भूतल परिवहन आर डी और बी आर | | | | | |
| 21. अहमदा-वहोद) एक्स.वे. जीपीडब्ल्सू डी | | किमी. 92.85 | 137.20 | 374.19 | 172.7 |
| 22. कलकता-प्लास्टि (खंड-डब्लयू बी पी डब्ल्यू) | | किमी. 64.5 | 54.17 | 140.08 | 158.6 |
| 23. चार वाईपास, 2 बी आर गंगा पर | | किमी. 28.2 | 49.92 | 122.59 | 145.6 |
| 24. 4 लेन-वाईडन, अकंपल्ली-विज एन एच-5 | | किमी. 46.33 | 83.33 | 118.10 | 41.7 |
| 25. 4 लेन बनाना (दिल्ली- मथुरा) | | किमी. 111.5 | 114.24 | 191.55 | 67.7 |
| 26. 4 लेन वाईजन (एन एच-8 दिल्ली-जयपुर | | किमी. 58.50 | 93.66 | 113.72 | 21.4 |
| 27. एन एच 5:4 4 लेन (कटक से जगतपुर | | किमी. 27.80 | 133.98 | 218.42 | 63.0 |
| 28. एन एच-47: 4 लेन केरल में | | किमी. 47.00 | 93.97 | 122.93 | 30.8 |
| 29. एन एच-2:4 लेन, मथुरा-आगरा | | किमी. 51.33 | 103.21 | 125.75 | 21.8 |
| 30. एन एच 1 आई एम पी बिहार में (एन एच ए आई) | | किमी. 42.69 | 127.89 | 150.67 | 17.8 |
| 31. आई एम पी, एन एच-5 और एन एच-9 आंध्र प्रदेश में | | किमी. 119.6 | 202.74 | 203.32 | 0.3 |

**Monitoring the Performance of Key Infrastructure Sectors**

1387. DR. B. B. DUTTA : Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) whether Government monitor performance of the key infrastructure sectors such as power, coal, saleable steel, fertilisers and crude oil;

(b) if so, the performance of these sectors during the first nine months of the current financial year;

(c) the detajls of factors .responsible for shortfalls, if any, in these sectors; and

(d) the measures taken by Government to improve performance of these sectors?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND